गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 6 अंक : 8 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 मार्च 2015 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

श्री 1008 जिनबिम्ब स्थापना एवं वेदी प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

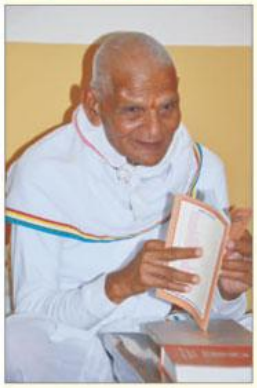

अनिल जैन, इन्दौर । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, 64 न्यू देवास रोड़ स्थित मंदिरजी के जीर्णोद्धार का काम 2014 के अंत तक पूर्ण गया था। सबको इंतजार था तो नवीन वेदी में श्रीजी को विराजमान करने का । जुलाई 2014 में हम सभी ने संकल्प लिया था कि तीनों प्रतिमाजी को एक वर्ष के अंदर पुन: विराजमान कर देंगे, समाज कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण आदरणीय ब्र. अनिल भैयाजी और ब्र. अभय भैयाजी 'आदित्य' से मिले और निवेदन किया कि आप दोनों के सानिध्य व पं. रतनलालजी शास्त्री के मार्गदर्शन में वेदी प्रतिष्ठा का कार्य संपन्न हो । दोनो भैयाजी ने अपनी व्यस्तता के बावजूद हमारा निवेदन स्वीकार किया और 21 फरवरी से 23 फरवरी तक याग मंडल विधान, वेदी संस्कार विधि एवं जिनबिम्ब स्थापना का कार्य करने हेतु अपनी सहमति प्रदान की ।

हम सभी ने मिलकर दोनों भैयाजी को प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण दिया और उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया और तत्पश्चात दोनो भैयाजी को मंदिरजी और नवीन वेदी का अवलोकन कराया । ऊपर की वेदीजी के सामने अब काफी स्थान निकल आया है। जनवरी के अंत तक तैयारी पूर्ण हो गई। सबसे पहले विधानाचार्य ब्र. अभय भैयाजी ने हमने आवश्यक विधान में लगने वाली आवश्यक सामग्री तथा वेदी प्रतिष्ठा में लगने वाले कलश, चंवर छत्र आदि आवश्यक चीजों की जानकारी ले ली । तत्पश्चात निमंत्रण पत्रिका की तैयारी प्रारंभ की गयी । भैयाजी ने पत्रिका स्वरुप बताया और आदरणीय पं. रतनलालजी शास्त्री के पास श्रीफल लेकर हम सभी उनके पास गये और चरण वंदना करके वेदी प्रतिष्ठा की चर्चा की और पंडितजी ने विधान वाले दिन आना स्वीकार किया। पंडितजी को मंदिरजी में लाने का काम हमारे वरिष्ठ श्री फूलचंदजी फणीश को सौंपा जिसे उन्होंने बखूबी निभाया ।

पत्रिका के स्वरुप को देखने के बाद पात्रों का चयन बड़ा कठिन काम लग रहा था । समाज के सभी सदस्यों को पूर्व में ही कार्यक्रम की जानकारी पत्र द्वारा भेजी गई। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी और सचिव बाहुबलीजी व कार्यकारिणी सदस्यों के साथ निकल पड़े क्योंकि यही काम सबसे दुष्कर लग रहा था पर हमें आश्चर्य हुआ कि चयनित पात्रों ने प्रथम चर्चा में ही सहर्ष अपनी स्वीकृति प्रदान की और सहयोग देने का आश्वासन दिया, जिससे यह दुष्कर कार्य काफी सरलता से पूर्ण हो गया । वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सौधर्म इन्द्र बनाने का सौभाग्य प्राप्त किया । गुरुकृपा नगर निवासी श्री प्रेमचंद-मंजुला जैन, महायज्ञ नायक श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन, कुबेर इन्द्र श्री अशोककुमार-सुधा जैन, ईशान इन्द्र श्री जयकुमार-मैना जैन, सनतकुमार इन्द्र श्री फूलचंद-निर्मला जैन, माहेन्द्र इन्द्र श्री सुरेशकुमार-सुधा जैन, ब्रह्म इन्द्र श्री अशोककुमार-रेखा जैन, लान्तव इन्द्र श्री हरिशचंद विमला जैन, शुक्र इन्द्र श्री सुरेशचंद-कांति जैन, शतार इन्द्र श्री अशोककुमार-शोभा जैन, आनत इन्द्र श्री हीरालाल-किरण फणीश, प्राणत इन्द्र श्री बाहुबली-निशा जैन, आरण इन्द्र श्री कमलचंद-संध्या जैन, अच्युत इन्द्र श्री अनिलकुमार-सुलोचना जैन, प्रतिमाजी स्थापना पुण्यार्जक श्री राजेन्द्र 'बागो'-कल्पना जैन, श्री राजेशकुमार-सुनीता जैन, श्री संजय-अंजू जैन, दीप प्रज्जवलनकर्ता श्री राहुल-सपना जैन, वेदी उद्घाटनकर्ता श्री खुशालचंद जैन, आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र अनावरणकर्ता श्रीमती पुष्पा-राजेन्द्रकुमार जैन, मंगल कलश स्थापना श्री विजय-ज्योतिमाला जैन, संपूर्ण द्रव्य व्यवस्था सहयोगी श्री निशांत जैन एवं दीपक जैन, ध्वजारोहणकर्ता न्यास के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी जैन क्लर्क कालोनी रहे । तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिन – इन्द्र प्रतिष्ठा सकलीकरण एवं जाप अनुष्ठान, द्वितीय दिन – समस्त प्रतिमाजी का महामस्तकाभिषेक पश्चात याग मंडल विधान आयोजित किया गया । विधान के समय महोत्सव संरक्षक व सामाजिक ससंद के अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारसिंहजी कासलीवाल द्वारा आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण किया । आपने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने समाज की एकजुटता एवं संगठित रहने पर जोर दिया । रात्रि में संगीतमय भक्तामरजी का पाठ गोलालारीय महिला मंडल 'स्तुति' द्वारा किया गया। तृतीय दिवस – नित्य नियम पूजन, हवन पश्चात नवीन वेदी के हॉल के मुख्य द्वार का पूजन डॉ. रुपेश मोदी परिवार द्वारा किया गया। वेदी का उद्घाटन स्थायी न्यासी श्री खुशालचंदजी जैन द्वारा किया गया तत्पश्चात हर्षोल्लासपूर्वक नवीन वेदी पर मूलनायक 1008 श्री चंद्रप्रभु भगवान को साइकिलवालों परिवार की ओर से श्री राजेशकुमार एवं जिनेन्द्रकुमार जैन, 1008 श्री पार्श्वनाथ स्वामी को श्री राजेन्द्र जैन 'बागो', श्री अजित जैन व श्री संजयकुमार जैन द्वारा प्रतिमा को विराजमान किया गया। समारोह के समापन पश्चात उपस्थित सदस्यों को वात्सल्य भोज कराया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ । न्यास सदस्य एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित, श्री पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्यादित, गोलालारीय दर्शन पत्रिका, गोलालारीय दि. जैन महिला मंडल, गोलालारीय नवयुवक मंच आदि संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ । न्यास कार्यकारिणी सभी सदस्यों और संस्थाओं का आभार मानती है।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।